अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

नारीलोक

लिखें शक्ति की नई ऋचाएं, अनुशासन के दीप जलाएं

अंक 273 | पंजीकृत कार्यालय : 'रोहिणी', अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल, लाडनूं (राजस्थान) | अप्रैल 2021

ऊर्जावाणी

जैन धर्म में श्रावक की भूमिका का बहुत बड़ा महत्व है। यद्यपि वह गृहस्थ होता है। परिवार का पालन पोषण करता है, व्यवसाय करता है, सामाजिक और राष्ट्रीय दायित्वों का निर्वाह करता है, फिर भी वह अपने जीवन में संयम की विशिष्ट साधना कर सकता है क्योंकि उसका विवेक जागृत हो जाता है। उसका इन्द्रिय संयम, मन संयम, वाक् संयम और अनासक्त भाव कुछ भिक्षुओं के लिए भी अनुकरणीय हो सकता है।

आचार्य श्री तुलसी

जीवन की सफलता का सबसे महत्वपूर्ण सूत्र है – विधायक दृष्टि से सोचना। विधायक दृष्टि से वही व्यक्ति सोच सकता है जिसने ध्यान का मर्म समझा है, जिसने चित्त को निर्मल करना सीखा है, जिसने मन को एकाग्र करना सीखा है, जिसने राग द्वेष को साफ करना सीखा है। विधायक दृष्टि से चिन्तन करने वाला व्यक्ति सच्चाई के पास पहुँच जाता है और वह अनेक समस्याओं का समाधान पा लेता है।

आचार्य श्री महाप्रज्ञ

- कुछ चयनित कार्यों को हाथ में लो और उनमें योजनाबद्ध शक्ति–नियोजन करो।
- अपनी शक्ति का विकास करो। दूसरों के भरोसे रहना उत्तम बात नहीं है।
- सौभाग्य का निर्माण करने के लिए जरूरी है कि दुर्भाग्य का निर्माण करने वाले प्रमाद से बचें।

आचार्य श्री महाश्रमण

मंजिल कितनी ही दूर हो, निरन्तर गतिशील व्यक्ति एक दिन वहां पहुँचकर सफलता का ध्वज फहराने में सफल हो जाता है। विकास की तलहटी में खड़ी होकर महिलाओं ने आगे बढ़ने का संकल्प किया, उनका संकल्प इतना पुष्ट है कि गुरुकृपा का पाथेय लेकर वे चली और विकास के शिखरों पर आरोहण करने में सफल हो रही हैं।

साध्वी प्रमुखा कनकप्रभा

अध्यक्षीय

ऊँचें रखे सपने फिर सजाने है घर अपने

प्रिय बहनों,

सादर जय जिनेन्द्र,

महिलाओं की कर्मठता और उत्साह का सैलाब अपनी विजय के नित नए परचम फहरा रहा है। हमारी शाखा मंडल अपने कृतित्व से अपनी महत्वपूर्ण पहचान बनाने में सक्षम हो रहे हैं। हाल ही में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर लगभग सभी शाखा मंडलों ने जिस एकरूपता का परिचय दिया ऐसे सराहनीय प्रयास को देखकर सात्विक गर्व के साथ प्रफुल्लित मन गुरु चरणों में नमित हो गया।

हिंदू संस्कृति का खूबसूरत हस्ताक्षर हिंदू संवत्सर (रामनवमी) नव वर्ष की आप सभी को शुभकामनाएं।इसी माह में हम अहिंसा और अनेकांत के सूत्र दाता भगवान महावीर की जयंती मनाने को तत्पर है भगवान महावीर के सिद्धांतों की सार्थकता को समझते हुए हम आगे बढ़े ।वे अक्षय- सिद्धांत आज भी अत्यंत कल्याणकारी है। आत्मा को स्वस्थ बनाने के साथ ही साथ हम वीर वचनों का सहारा लेकर अपने रिश्तो एवं परिवार की कड़ियों को भी स्वस्थ एवं मजबूत बना सकते हैं।

छोटी सी बच्ची को उम्र की सीढ़ी तय करते हुए किशोरी फिर युवति उसके बाद औरत बनते देखना हर माँ के लिए एक अनोखा अनुभव होता है। माँ बेटी के बीच परस्पर विश्वास का रिश्ता होता है माँ जहां बेटियों को जिन्दगी के हर अच्छे बुरे समय के लिए तैयार करती हे वहीं बेटियां अपनी जिन्दगी के हर फैसले में माँ की राय को पूरा महत्व देती हैं। माँ बेटी को जब वह 4-5 वर्ष की होती है तो उसे ज्ञानशाला भेजती है जिससे प्रारम्भ से ही धार्मिक संस्कार आ सके।

''संस्कार दिए बिना सुविधाएं देना पतन का कारण है अगर सुविधाएं अपने बच्चों को नहीं दे तो हो सकता है थोड़ी देर के लिए रोये, पर संस्कार नहीं दिए तो वह जिन्दगी भर रोयेगी।''

जब बेटियां किशोरावस्था में पहुँचती हैं तो इस समय बेटियों पर माता-पिता से ज्यादा प्रभाव दोस्तों का होता है जिन्दगी में अच्छे दोस्त बहुत मुश्किल से मिलते हैं इस समय दुनियां बहुत हसीन लगती है उसका झुकाव पिक्चर, मोबाईल, फैशन, घूमना-फिरना, खरीददारी पर ज्यादा रहता है और इस समय बेटी के कदम बहक नहीं जाएं तथा गलत दोस्ती से होने वाले नुकसान के साथ-साथ माँ हर तरह से नजर रखे। उससे दोस्ताना संबंध रखे जिससे कि वह हर बात अपनी माँ से शेयर कर सके, बेटी में इतना आत्मविश्वास भरें कि वह अपनी सहेलियों की गलत बातों को मानने से इन्कार कर सके। इस उम्र में विचारों में इतनी परिपक्वता नहीं आती है भावनाओं में बहने का ज्यादा डर रहता है।

परम श्रद्धेया असाधारण साध्वी प्रमुखाश्री जी फरमाते है ''कन्याओं से यह अपेक्षा है कि गति प्रगति के नाम पर उसके कदम बहकें नहीं। वे अपनी संस्कृति, सभ्यता और शालीन परम्पराओं का सुरक्षा कवच पहनकर घर से बाहर कदम रखे। यौवन की दहलीज पर पैर धरने से पहले ही अपने संस्कारों को इतना अच्छा संपोषण देने का प्रयत्न करें जिससे उनका अपने लिए, परिवार के लिए और समाज के लिए उदाहरण उपयोगी बन जाए।

माँ का कर्तव्य होता है कि वे बेटियों को बताएं कि हकीकत में जिन्दगी इतनी सुन्दर नहीं है जिन्दगी में बहुत संघर्ष होते हैं अनेक तकलीफों का सामना करना पड़ता है शादी के पहले व बाद में अनेक जिम्मेदारियां निभानी होती है कैसे माँ-बाप व सास-ससुर की सेवा करना, सबके साथ समान व्यवहार करना, बात का जवाब विनम्रता से देना, छोटे-बड़े सभी काम करना एक माँ का दायित्व होता है हर ऊँची-नीची बात उसे बताएं।

जिन्दगी हर पल आपको आजमाएगी, मुसीबत के हर मंजर सामने लाएगी।
पर जो न हटेगा अपने पथ से, कामयाबी उसी के कदमों में आएगी।।

आजकल हम देखते हैं कि बेटियों को कितनी नाजों से पालते हैं और एक-एक पैसा इकट्ठा कर उसकी अच्छी से अच्छी शादी करते हैं पर यह क्या? हाथ की मेहंदी सूखती ही नहीं कि बिटियां ससुराल से हमेशा के लिए छोड़कर वापिस आ जाती हे आजकल सहनशीलता की बहुत कमी आ गई है ऊपर से इगो इतना प्रबल होता है कि कोई एक बात कहदे तो वो बर्दाश्त के बाहर की बात होती है। घर का काम करना किसी को भी पसन्द नहीं आता सब बेटियां जॉब करना पसंन्द करती है पर केवल जॉब से पेट नहीं भरता, खाना बनाना पड़ता है घर में अनेक प्रकार की जिम्मेदारियां निभानी पड़ती है सास-ससुर को देखना, बच्चों को देखना, पढ़ाना, घर की साफ सफाई करना इत्यादि।

आजकल बेटी के ससुराल में क्या हो रहा है इसमें माँ का हस्तक्षेप बहुत रहता है उन्हें बेटी की हर बात अच्छी लगती है बेटी का प्यार उन्हें अंधा बना देता है जो कई बार परिवार टूटने का कारण बनते हैं जो सहता है वह रहता है। माँ हर कदम बेटी के साथ नहीं चल सकती। बेटी को खुद अपनी जिन्दगी के फैसले लेने के लिए छोड़ देना चाहिए। सबके नसीब एक जैसे नहीं होते हैं। सुख-दुःख अपने तकदीर के अनुसार मिलते हैं। बस माँ समभाव से देखते हुए अच्छी हिदायत दे और शुभ भविष्य की कामना करते हुए जिम्मेवारी के प्रति पूर्ण सजग रहे ऐसी हिदायत दें।

''दुनिया का सबसे बेहतर दर्पण है - जिम्मेदारी। जिसे एक बार पी लिजिए, फिर जिन्दगी भर थकने नहीं देगी।''

प्रत्येक माँ बेटियों को प्रोत्साहित करें कि जिस विषय में रूची हो उसमें आगे बढ़े, अब पहले जैसी बात नहीं रही कि माँ ने डांट डपट दिया आदेश दे दिया और बेटी ने नजरें झुकाकर मान लिया। अब तस्वीर काफी हद तक बदल चुकी है और बदलते वक्त के साथ माँ ने बेटी के प्रति अपनी व्यवहार व सोच को भी काफी बदला है।

बेटियां जिस क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहती माँ उसे बाहर भेजती है उन्हें पढ़ाती हैं आगे बढ़ाती हैं फलस्वरूप आज हर क्षेत्र में बेटियां अपने हुनर के परचम लहरा रही है ऐसा कोई भी क्षेत्र अछूता नहीं है जहाँ हमारी बेटियां न हो पर साथ में यह हिदायत दें -

जिन्दगी में अपने हुनर पर घमंड मत करना, क्योंकि जब पत्थर पानी में गिरता है तो अपने ही वजन से डूब जाता है।

आपकी

पुष्पा बैद

कंठस्थ ज्ञान

इस बार कल्याण मंदिर स्त्रोत का 21 वें श्लोक से लेकर 24 वें श्लोक तक याद करने का लक्ष्य रखें।

इस बार 17 वें तीर्थंकर श्री कुन्थु प्रभु की गीतिका याद करने का लक्ष्य रखें।

लेखनी :- एक खास रिश्ता मां और बेटी का, जिसमें मां अपने दायित्व से बेटी के आने वाले भविष्य को कैसे संवार सकती है इस विषय पर (250 शब्दों में) सभी शाखा मंडल यह प्रतियोगिता आयोजित करें और प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विचारों को राष्ट्रीय कार्य समिति सदस्य डॉ. वन्दना बरड़िया - +977-9851023513 को भेंजे।

महिला मंडल करणीय कार्य

LEARN • UNLEARN • RELEARN

प्यारी बहनों,

इस अप्रैल माह में आपको आयोजित करनी है एक कलात्मक व रचनात्मक कार्यशाला : Mother Daughter Goals... Dont's be a lady, be a legent इस विषय पर। कोरोना महामारी के बढ़ते प्रकोप को देखकर यह कार्यशाला आप अपनी सुविधानुसार आयोजित कर सकते हैं।

LEARN -

1. मैं सहिष्णुता की साधना करूंगी।
2. मैं विनम्रता की साधना करूंगी।
3. मैं सामंजस्य की साधना करूंगी।
4. मैं शांतिपूर्ण सहवास की साधना करूंगी।
5. लक्ष्य को पाने के लिए पुरुषार्थ करूंगी।

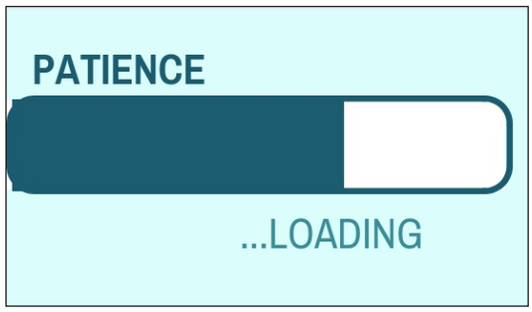

UNLEARN -

1. छोटी छोटी बातों पर बहस करना।
2. किसी भी बात को स्वयं की प्रतिष्ठा का प्रश्न बनाना।
3. संबंधों के बीच स्वार्थ को प्रश्रय देना।
4. औरों को समझने-समझाने की कोशिश न करना।
5. तत्काल किसी बात पर प्रतिक्रिया करना।

RELEARN -

1. मैं उन विचारों को भी तिलांजलि दूंगी, जो किसी के अधिकार, भावना और इच्छा पर कुठाराघात करें।
2. मैं परिस्थिति, प्रवृति और परिणाम पर दृष्टिपात रखते हुए कार्य करूंगी।
3. बात को आई-गई करना सीखे, पीठ पीछे बात न बनाएं।
4. सिद्धांत जितने सरल, व्यवहार उतने ही कठिन होते हैं।
5. धैर्य का विकास करें, अधीर आदमी चिन्तन नहीं करता, फिर परिणाम आने पर पश्चाताप के सिवाय कुछ हाथ नहीं लगता।

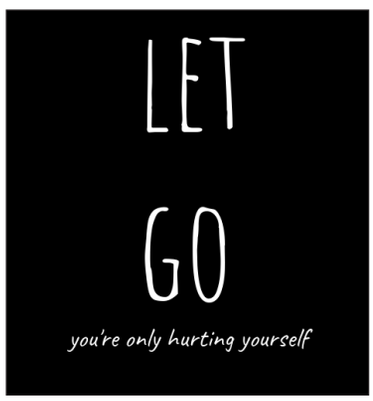

कन्यामंडल करणीय कार्य

प्यारी बेटियों,

सादर जय जिनेन्द्र

आशा है आप सभी पूर्ण स्वस्थ है। महावीर जयंती के उपलक्ष्य में जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर को नमन। वर्तमान में जहाँ हमारी बेटियां चहुँमुखी विकास कर रही है, आधुनिक ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में प्रगति कर रही है। अपनी अलग पहचान बनाकर अपने सपनों को साकार कर रही है, वहीं अपने परिवार के प्रति भी अपने कर्तव्य का निर्वहन कर रही है। किसी भी परिवार में सबसे पवित्र व खूबसूरत रिश्ता होता है माँ-बेटी का। ये संबंध प्यार की कभी न टूटने वाली डोर से बंधा होता है। कहते हैं कि -

माँ-बेटी के रिश्ते का एहसास है बहुस खास।

क्योंकि इसमें होती है मिश्री सी मिठास।

एक माँ अपनी नन्हीं कली को उम्र के हर पड़ाव पर संस्कारित करती हुई उसे भविष्य के लिए तैयार करती है तो बेटियाँ भी अपनी जिंदगी के फैसले में माँ की राय को पूरा महत्व देती है। तो किस प्रकार माँ बेटी की यह जोड़ी घर को स्वर्ग बना कर जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला सकती है, यह हमें सोचना है।

प्यारी बेटियों आइए अपनी माँ के साथ एक ऐसे एहसास का सृजन करें जिसमें विश्वास हो, सम्मान हो, पवित्रता हो। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए माँ-बेटी के पावन रिश्ते को समर्पित है :-

मई माह का करणीय कार्य

1. महिला मंडल के संयुक्त तत्वावधान में निम्न विषय पर एक सेमिनार आयोजित करें।

Mother Daughter Goals

Don't be a Lady, Be a Legend

2. कंठस्थ गीतिका - तेरापंथ रो भाग्यविधाता रचयिता - आचार्य श्री तुलसी

3. परम की ओर प्रस्थान - करें छोटे-छोटे प्रत्याख्यान

प्रतिदिन 10 मिनिट तक मौन का अभ्यास

EVOLVE

इस माह दिनांक 17 मई शनिवार को Evolve कार्यशाला का आयोजन करने जा रही है नोएडा कन्या मंडल और विषय है:-

Tech Talk

Decoding The Digital Chakravyuh

इस कार्यशाला में सभी कन्या मंडल की उपस्थिति अनिवार्य है।

आपकी दीदी
रमन पटावरी

EVOLVE *कार्यशाला का आयोजन*

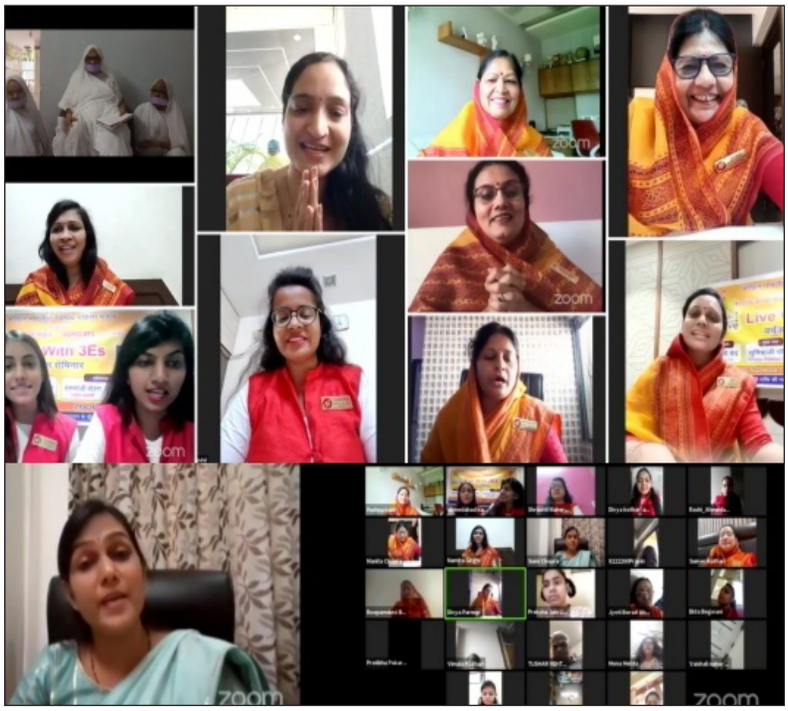

दिनांक 14-03-2021 रविवार को अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल व अखिल भारतीय कन्या मंडल के निर्देशन में अहमदाबाद कन्या मंडल द्वारा वर्चुअल सेमिनार EVOLVE Live with 3 E's - Energy Enthusiasm and Empathy का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का मंगल शुभारंभ गुरुदेव के मुखारविंद से वीडियो के माध्यम से मंगल पाठ द्वारा हुआ। शासन श्री साध्वी रतन श्री जी ने महती कृपा कर सभी कन्याओं को मंगल संदेश प्रदान किया जिसे virtually दिखाया गया। अहमदाबाद कन्या मंडल द्वारा मंगलाचरण की बहुत ही सुंदर प्रस्तुति हुई । ते.म.म. अध्यक्ष श्रीमती मनीता जी चोपड़ा ने उपस्थित सभी अतिथियों का भाव विभोर होकर स्वागत, अभिनंदन व सम्मान किया। कन्या मंडल संयोजिका सुश्री सृष्टि महेर ने वर्ष भर में किए गए कार्यक्रमों की सुंदर रिपोर्ट प्रस्तुत की। अहमदाबाद कन्या मंडल द्वारा दिल को छू लेने वाले स्वागत गीत के द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया। अ.भा.ते.म.मं. राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा जी बैद ने कन्याओं को आत्म निर्भर बनने की एवं अपने व्यवहार, विचार, संस्कार का परिष्कार करने की प्रेरणा दी। महामंत्री तरुणा जी बोहरा ने दृष्टांत द्वारा बताया कि हम अपने लक्ष्य के प्रति जागरूक रहेंगे तभी अपने जीवन में 3 E's को कायम रख सकेंगे। कन्या मंडल प्रभारी हेमलता जी परमार ने मुख्य अतिथि का परिचय दिया व अंतर हृदय से सभी का स्वागत किया। मुख्य वक्ता श्रीमती सुमित्रा जी चोपड़ा जो Civil Judge Judicial Magistrate ने अपने विशेष वक्तव्य में कहा कि सफल होने का अर्थ सिर्फ प्रोफेशनल होकर कामयाबी हासिल करना नहीं है, बल्कि सफल व्यक्ति का वास्तविक परिचय उसकी वाणी, व्यवहार, कर्म से होता हैं। उन्होनें कन्याओं को सादगी पूर्ण रहते हुए आगे बढ़ने के अनेक टिप्स बताए। अ.भा.ते. कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती रमन जी पटावरी ने कन्या मंडल की सभी बेटियों के उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करते हुए निरंतर गतिमान रहने की प्रेरणा दी। कन्या मंडल सह प्रभारी श्रीमती नमिता जी सिंघी ने कहा अपने लक्ष्य को पाने के लिए हर मुश्किल को सहिष्णुता के साथ पार कर लो तो मंजिल अपने आप मिल जाएगी। वापी, लिंबायत, पर्वत पाटिया कन्या मंडल ने वीडियो के माध्यम से अपनी बहुत सुंदर रोचक प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम का सुंदर संचालन कन्या मंडल सह संयोजिका इशिका सुतरिया,पूजा बाफना ने किया। कर्मठ मंत्री प्रतीक्षा सुतरिया ने सभी के प्रति धन्यवाद व आभार ज्ञापित किया। कार्यक्रम बहुत ही सुंदर प्रेरणादायी व रोचक रहा। कार्यक्रम ज़ूम व फेसबुक लाइव के माध्यम से प्रसारित किया गया जिसमें देश भर की विभिन्न शाखाओं ने अपनी सहभागिता दर्ज करायी। विशेष सहयोग खुशी डागलिया, अनुश्री जैन, रिंपल सुतरिया, दिव्या कोठारी, दिव्या लोढा व पुरी कन्या मंडल का रहा। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष श्रम रहा कन्या मंडल प्रभारी हेमलता परमार एवं कन्या मंडल संयोजिका सृष्टि मेहर, सह संयोजिका इशिता सुतरिया का। कार्यक्रम बहुत ही रोचक एवं प्रेरणादायी रहा।

तत्त्वज्ञान/तेरापंथ दर्शन परीक्षा परिणाम (वर्ष 2020)

वर्ष 2020 तत्त्वज्ञान/तेरापंथ दर्शन परीक्षा के लिए 84 परीक्षा केन्द्रों से कुल 1182 फार्म भरे गये। इसमें से 614 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए। परीक्षा परिणाम 95 प्रतिशत रहा। सभी उत्तीर्ण परीक्षार्थियों को अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की ओर से ढ़ेरों बधाईयां। चारित्रात्माओं का भी तत्त्वज्ञान/तेरापंथ दर्शन के प्रति अच्छा रूझाान रहा। इस वर्ष कुल 40 चारित्रात्माओं ने परीक्षा दी।

TT/TD EXAM 2020 MERIT LIST

Tatwagyan Year I (Batch 2020)

S.N.	Name	Reg. N.	Year	Exam Center	Roll No.	Marks 1	Marks 2	Written	Viva	Total	Merit
1	Deepa Parakh	8810	2020	Chennai	63	98.5	99.5			198	I
2	Hemshree Bhansali	9221	2020	Rourkela	1151	100	98			198	I
3	Shikha Jain	9077	2020	Kishangarh	751	99	96			195	II
4	Madhu Bohara	8953	2020	Rajsamand	380	97.5	95.5			193	III
5	Vandana Kothari	9192	2020	Bhilai	1121	97	96			193	III
6	Raju Nahata	9226	2020	Rourkela	1156	97.5	95.5			193	III

Tatwagyan Year II (Batch 2020)

S.N.	Name	Reg. N.	Year	Exam Center	Roll No.	Marks 1	Marks 2	Written	Viva	Total	Merit
1	Tamanna Bhandari	8606	2019	Balotara	698	99	100			199	I
2	Sushila C. Singhvi	8679	2019	Mumbai (Vasi)	875	99	99			198	II
3	Vanita Bothra	8399	2019	Surat	322	99	98			197	III
4	Anupam Gupta	8704	2019	Kolkata Purvanchal	979	98.5	98.5			197	III

Tatwagyan Year III (Batch 2020)

S.N.	Name	Reg. N.	Year	Exam Center	Roll No.	Marks 1	Marks 2	Written	Viva	Total	Merit
1	Vinita Surana	8252	2018	Vijaynagram	1089	99.5	99.5			199	I
2	Anita Bothra	8244	2018	Vijaynagram	1086	98.5	98.5			197	II
3	Priyanka Surana	8178	2018	Koppal	1097	99.5	97.5			197	II
4	Manisha Baid	7838	2018	Surat	329	98.5	96.5			195	III

Tatwagyan Year IV (Batch 2020)

S.N.	Name	Reg. N.	Year	Exam Center	Roll No.	Marks 1	Marks 2	Written	Viva	Total	Merit
1	Ranjana Dugar	7381	2017	Aurangabad	483	99	100			199	I
2	Sweta Hirawat	7668	2017	Vijaywada	955	97	98			195	II
3	Anju Runwal	5619	2014	Hyderabad	421	97.5	96.5			194	III

Tatwagyan Year V (Batch 2020)

S.N.	Name	Reg. N.	Year	Exam Center	Roll No.	Marks 1	Marks 2	Written	Viva	Total	Merit
1	Chesta Surana	6662	2016	Aurangabad	485	100	100			200	I
2	Gunwanthy S. Dugar	6380	2016	Chennai	112	97	99			196	II
3	Mamta Dugar	5428	2014	Guwahati	500	97	99			196	II
4	Rita Kotaria	3820	2012	Petlabad	640	96.5	95.5			192	III

Terapanth Darshan Year I (Batch 2020)

S.N.	Name	Reg. N.	Year	Exam Center	Roll No.	Marks 1	Marks 2	Written	Viva	Total	Merit
1	Asha Khabya	8791	2020	Ahmedabad	4	91	89			180	I
2	Manju Baid	8941	2020	Ladnun	356	85.5	73.5			159	II
3	Priyanka Dudheria	8871	2020	Delhi	174	81.5	71.5			153	III

Terapanth Darshan Year II (Batch 2020)

S.N.	Name	Reg. N.	Year	Exam Center	Roll No.	Marks 1	Marks 2	Written	Viva	Total	Merit
1	Sapna Dagalia	8548	2019	Mumbai (Thane)	604	91.5	88.5			180	I
2	Paras Mehta	8104	2018	Bhilwara	392	83.5	81.5			165	II
3	Shilpa Badala	8649	2019	Mumbai (Ghatkoper)	783	87	77			164	III

Terapanth Darshan Year III (Batch 2020)

S.N.	Name	Reg. N.	Year	Exam Center	Roll No.	Marks 1	Marks 2	Written	Viva	Total	Merit
1	Khushboo Kochar	6681	2016	Rajrajeshwari Nagar (Bang.)	1068	91.5	94.5			186	I
2	Pukhraj Sethia (Dr)	7813	2018	Kolkata (South)	241	82	89			171	II
3	Santosh Bhansali	7328	2017	Surat	341	85	73			158	III

Terapanth Darshan Year IV (Batch 2020)

S.N.	Name	Reg. N.	Year	Exam Center	Roll No.	Marks 1	Marks 2	Written	Viva	Total	Merit
1	Samta Sethia	4525	2013	Cuttack	373	87.5	74.5			162	I
2	Shanti Banthia	7258	2017	Kolkata (South)	246	81.5	70.5			152	II
3	Vimla Kothari	7575	2017	Gadag	856	83.5	68.5			152	II
4	Shital Sanghvi	7263	2017	Mumbai (Ghatkoper)	791	69.5	65.5			135	III

- वर्ष 2020 तत्त्वज्ञान/तेरापंथ दर्शन परीक्षा परीणाम घोषित हो चुका है। परीक्षा परिणाम अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की वेबसाईट www.abtmm.org पर देखा जा सकता है।
- परीक्षा परिणाम, मार्क शीट, तेरापंथ दर्शन/तत्त्वज्ञान, तत्वविज्ञ के फार्म, सिलेबस अतिशीघ्र परीक्षा केन्द्रों को भेज रहे हैं।
- द्वितीय वर्ष तथा उसके ऊपर की कक्षा के परीक्षार्थी फार्म के साथ मार्कशीट की फोटोकॉपी अवश्य संलग्न करें।
- तत्त्वज्ञान के छठे वर्ष की परीक्षा दे दी हो और 60 प्रतिशत मार्क्स आये हों वे तत्त्वविज्ञ के फार्म 15 अप्रैल से 30 अप्रैल तक भर सकते हैं।
- तत्त्वज्ञान/तेरापंथ दर्शन के फार्म के साथ 100/- रूपये प्रवेश शुल्क राशि व तत्वविज्ञ के फार्म की प्रवेश शुल्क राशि 200/- रूपये abtmm के A/c No. 10272010000350 में डलवाकर बैंक स्लिप की फोटोकॉपी साथ में अवश्य संलग्न करें।
- यदि किसी परीक्षार्थी को री चेकिंग करवानी हो तो उसे क्षेत्र की व्यवस्थापिका या परीक्षार्थी एक पत्र में अपना नाम, क्षेत्र का नाम, रोल नं., रजिस्ट्रेशन नं. तथा कौन सा पेपर (प्रथम, द्वितीय) करवाना है लिखकर भेजें, साथ में रिचेकिंग शुल्क 250/- रूपये abtmm के A/c में जमा करवाकर स्लिप की फोटो कॉपी भेज दें।
- 15 मई तक आप री चेक का आवेदन दे सकते हैं। फोन नं. अवश्य लिखें। जून तक उनका रिजल्ट आ जायेगा। री चेकिंग हेतु मंजू भूतोड़िया के पते पर पत्र भेजें।
- परीक्षा के लिए कम से कम 8 परीक्षार्थियों के फार्म भेजना आवश्यक है अन्यथा मान्य नहीं होंगे। फार्म भेजने की अंतिम तिथि 30 जुलाई 2021 है।
- फार्म व रिचेक पत्र इस पते पर भेजें :- श्रीमती मंजु भूतोड़िया, डी-68, द्वितीय तल, कीर्ति नगर, नई दिल्ली-15

आभार :

सम्माननीय तत्वज्ञ श्राविका श्रीमती रतनी देवी, श्री सुमतिचंद जी - सुमन जी, योगेन्द्र - नीलम जी गोठी (मुम्बई - सरदारशहर) परिवार जिनके सहयोग से तत्त्वज्ञान/तेरापंथ दर्शन पाठयक्रम का सुचारू रूप से संचालन हो रहा है। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की ओर से हार्दिक आभार। इस पाठ्यक्रम से जुड़े सभी प्रशिक्षक एवं परीक्षक जिन्होंने परीक्षा के लिए सहयोग प्रदान किया उनके प्रति हार्दिक कृतज्ञता।

संवर्धन कार्यशाला

बिहार, झारखण्ड स्तरीय कार्यशाला

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार गुलाबबाग महिला मंडल द्वारा 27 फरवरी 2021 शनिवार को बिहार, झारखंड स्तरीय संवर्धन कार्यशाला का आयोजन नैतिकता पर किया गया। शुभारंभ परम श्रद्धेय आचार्य महाश्रमण जी के मंगल पाठ से किया गया। नमस्कार महामंत्र का उच्चारण आभातेमम संरक्षिका श्रीमती सुशीला जी पटावरी ने किया। आभातेमम पूर्वाध्यक्ष एवं श्राविका गौरव श्रीमती पुष्पा जी बैंगानी ने शुभकामनाएं प्रेषित की। गुलाबबाग महिला मंडल ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया। संघमहानिदेशिका साध्वी प्रमुखा कनक प्रभा जी के संदेश का वाचन बिहार प्रभारी राष्ट्रीय सदस्य श्रीमती शशिजी बोहरा ने किया। गुलाबबाग महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती प्रतिभाजी पुगलिया ने सभी का स्वागत किया। गुलाब बाग युवती मंडल ने गीत के द्वारा स्वागत किया। आभातेमम अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा जी बैद ने मंडल के प्रति मंगल भावना व्यक्त की और कहा नैतिक मूल्यों का आधार परस्पर प्रेम एवं सद्भावना होती हैं और सामाजिक जीवन उनसे नियमित व आदर्श बनता है इन मूल्यों के प्रति आस्थावान व्यक्ति की अपनी नैतिकता को सुरक्षित रख सकता है अचार्य महाश्रमण जी ने 50000 किलोमीटर की यात्रा में नैतिकता व सद्भावना का ही लोगों को संदेश दिया। नैतिकता पर एक छोटी सी कहानी के माध्यम से बहुत अच्छे से समझाया। मुख्य वक्ता श्री मान तनसुख जी बैद ने नैतिकता पर बहुत ही ही सुंदर और अच्छे से समझाया कि परिवार, समाज व राष्ट्र में नैतिकता कितनी जरूरी है। आभातेमम महामंत्री श्रीमती तरुणाजी बोहरा ने प्रेरणादायक वक्तव्य दिया। मंडल की सभी बहनों के प्रति मंगल भावना की। गुलाब बाग महिला मंडल की बहनों के द्वारा संवर्धन गीत की प्रस्तुति दी गई। चास बोकारो द्वारा नैतिकता पर नाटक की प्रस्तुति दी गई। बिहार के उपमुख्यमंत्री तार किशोर जी का शुभ संदेश दिखाया गया। बिहार झारखंड के 14 क्षेत्र की सुंदर प्रस्तुति दिखाई गई। बिहार प्रभारी राष्ट्रीय सदस्या श्रीमती सीमा बैद ने 14 क्षत्रों के कार्यों का रिपोर्ट दी। श्रीमती सरिता जी सिंघी ने अपने विचार रखें। गुलाब बाग कन्या मंडल ने ईंपावरमेंटऑफ वूमेन पर बहुत ही सुंदर नाटक द्वारा प्रस्तुति दी। माननीय रविंदरजी साहा ने बताया गुलाब बाग महिला मंडल बहुत सशक्त महिला मंडल है हर सामाजिक कार्य में इनका सहयोग रहता है और इन्होंने मंडल में निशुल्क टैली क्लास करवाई। मंडल द्वारा अभातेमम के अध्यक्ष एवं महामंत्री को प्रशस्ति पत्र भेंट किया गया। गुलाब बाग के विधायक श्रीमान विजय जी खेमका सभा के अध्यक्ष श्रीमान विजय सिंह जी बैद का शुभ संदेश प्राप्त हुआ। कार्यशाला में आभार ज्ञापन गुलाब बाग मंत्री श्रीमती सीमा बिनायकिया ने किया। अभातेमम की सह प्रचार प्रसार मंत्री सोनम जी बागरेचा का संचालन एवं तकनीक में विशेष योगदान रहा। संवर्धन कार्यशाला का संयोजन उपाध्यक्ष श्रीमती शांता संचेती एवं सहमंत्री श्रीमती बबीता मालू ने किया।

असम मेघालय स्तरीय कार्यशाला

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में असम-मेघालय स्तरीय 'संवर्धन' ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन तेरापंथ महिला मंडल गुवाहाटी द्वारा जूम एप्प के माध्यम से सुबह 11 बजे से किया गया। कार्यशाला की शुरुआत परम पूज्य आचार्य श्री महाश्रमणजी के मंगलपाठ वीडियो से हुआ। नमस्कार महामंत्र का उच्चारण अभातेममं की प्रधान ट्रस्टी श्रीमती शांता पुगलिया द्वारा एवं शुभकामना ट्रस्टी श्रीमती प्रियंका जी जैन द्वारा दिया गया। मंगलाचरण नौगांव महिला मंडल द्वारा किया गया।

साध्वी प्रमुखाश्री जी के संदेश का वाचन राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्रीमती रंजू जी लुणिया ने किया। महिला मंडल गुवाहाटी की अध्यक्ष श्रीमती रंजू खटेड़ ने सभी का स्वागत किया व साध्वीश्री जी व समणी जी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की व बताया कि सम्पूर्ण गुवाहाटी का महिला समाज उनकी ताकत है व सभी बहनें हर कार्य में बेजोड़ काम करती है। इस कार्यशाला का अल्प समय में सुनियोजित आयोजन करने के लिए अपने टीम की सभी बहनों को धन्यवाद दिया। असम में विराजित साध्वीश्री संगीतश्रीजी से प्राप्त प्रेरणा पाथेय का भी वाचन किया गया। मंडल की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद ने अपने उद्बोधन में सभी का स्वागत किया। उन्होंने कार्यक्रम के संचालन व सुनियोजित रूप से संपादित होने की भूरी-भूरी प्रशंसा की व कहा अध्यक्ष श्रीमती रंजू जी व मंत्री श्रीमती अजंता बैद पूर्व रा.का.स. सदस्य हैं ये और इनकी टीम बहुत ही अच्छा काम कर रही है। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने इस अवसर पर महिला मंडल गुवाहाटी द्वारा भावना चौके में दिए गए अनुदान के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। मंगल प्रेरणा-समणी निर्देशिका विनीत प्रज्ञाजी द्वारा दी गयी। कन्या मंडल गुवाहाटी ने अपनी मनमोहक प्रस्तुति दी। इस कार्यशाला के मुख्य वक्ता श्री संजय जी केड़िया ने विषय-समाज प्रबंधन पर अपना प्रभावी वक्तव्य रखा। प्रेरक वक्तव्य राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती तरूणा बोहरा ने दिया। तत्पश्चात् महिला मंडल गुवाहाटी ने अपनी प्रस्तुति दी। राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती विद्या जी कुंडलिया ने अपनी क्षेत्रीय रिपोर्ट प्रस्तुत की। संवर्धन गीत की प्रस्तुति तेममं गुवाहाटी ने की। असम व मेघालय की विभिन्न महिला मंडलों द्वारा अपनी प्रस्तुति दी गयी। इस कार्यशाला का सफल संचालन तेरापंथ महिला मंडल गुवाहाटी की कार्यकारिणी सदस्य डॉ. सारिका दुगड़ ने किया। मंत्री अजंता बैद का सराहनीय योगदान रहा। तेममं गुवाहाटी की सहमंत्री श्रीमती ममता दुगड़ ने सभी का आभार व्यक्त किया एवं गुवाहाटी की पूरी टीम के सहयोग से ही इस कार्यशाला का सफल आयोजन हो पाया। आसाम, मेघालय स्तरीय कार्यशाला में 19 क्षेत्रों ने भाग लिया जिसमें है - गुवाहाटी, नौगांव, कोकड़ाझाड़, खारुपेटिया, डिफू, जोरहाट, बंगाईगांव दक्षिण, बंगाईगांव उत्तर, ढेकियाजुली, धुबरी, करीमगंज, तेजपुर, बिलासिपारा, बरपेटा रोड़, कृशनाई, सिलचर, गौरीपुर एवं शिलांग।

आंध्रप्रदेश–तेलंगाना स्तरीय कार्यशाला

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार तेरापंथ महिला मंडल हैदराबाद के तत्वावधान में शनिवार को तेलंगाना, आंध्र प्रदेश स्तरीय सामंजस्य संवर्धन कार्यशाला का आयोजन किया गया। शुभारंभ आचार्य श्री महाश्रमण जी के मंगल पाठ से किया गया। नमस्कार महामंत्र का उच्चारण अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के प्रधान ट्रस्टी शांता जी पुगलिया ने किया। हैदराबाद महिला मंडल ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया। श्रद्धेय संघ निर्देशिका साध्वी प्रमुखा कनकप्रभाजी के संदेश का वाचन वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्रीमती सरला जी भुतोडिया ने किया। स्वागत गीत का संगान सुमधुर गायिका श्रीमती मोनिका जी भंसाली द्वारा किया गया। साध्वी निर्वाण श्री जी ने शुभकामनाएं देते हुए फरमाया कि परिवार में ही नहीं समाज में भी सामंजस्य की बहुत बड़ी भूमिका है। परम पूज्य आचार्य महाश्रमणजी फरमाते है सहन करो, सफल बनो। परिवार में सामंजस्य के लिए अपने कार्य क्षेत्र का बलिदान भी करना पड़े तो हंसते–हंसते कर देना चाहिए।

सहमंत्री अनीताजी गिडिया ने गृह मंत्री मोहम्मद महमूद अली के संदेश का वाचन किया। तेरापंथ महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती प्रेमजी पारख ने सबका स्वागत किया। हैदराबाद महिला मंडल की नव युवतियों व कन्या मंडल ने संवर्धन गीत द्वारा बहुत ही सुंदर प्रस्तुति दी। सरलमना राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती पुष्पा जी बैद ने अपना ओजस्वी वक्तव्य में कहा– निर्माण में चार तत्वों की आवश्यकता होती है पृथ्वी, पानी, अग्नि एवं वायु। उसी तरह परिवार में सहिष्णुता की माटी, पवित्रता का जल, संयम की अग्नि एवं आत्मियता की हवा होने से ही सामंजस्य बना रहता है।

कार्यशाला के मुख्य वक्ता समणी जयंत प्रज्ञा जी ने सामंजस्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सामंजस्य का अर्थ है अपने आप को समझना और समझाना। जो व्यक्ति दूसरों के व्यवहार को ,दूसरों की सोच को सम्मान देता है छोटी बातों में नहीं उलझता, सौहार्द, प्रेम, निस्वार्थ मनोवृति से हर परिवार में, समाज मे जहां भी जाए सामंजस्य स्थापित कर सकते हैं। जो व्यक्ति सामंजस्य करना जानता है, समाज में वह सम्मानित स्थान प्राप्त कर सकता है। महामंत्री तरुणा जी बोहरा ने सुंदर उदाहरण से सामंजस्य पर अपना ओजस्वी वक्तव्य दिया। तेरापंथ महिला मंडल हैदराबाद ने प्रशस्ति पत्र द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष व महामंत्री का सम्मान किया। क्षेत्रीय रिपोर्ट राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य तेलंगाना प्रभारी श्रीमती प्रभाजी दुगड द्वारा दी गई। विजयवाड़ा, विजयनगरम, विशाखापट्टनम, राजमहेद्रम्, काकीनाड़ा, बोलाराम द्वारा सामंजस्य पर सुंदर प्रस्तुतियां दी गई।

आंध्र प्रदेश क्षेत्रीय रिपोर्ट राज्य प्रभारी श्रीमती वंदनाजी विनायकिया ने प्रस्तुत की। कार्यक्रम का सफल संचालन सह मंत्री श्रीमती कविता जी आच्छा ने किया। अभातेममं प्रचार प्रसार मंत्री सोनम बागरेचा का संचालन एवं वर्चुअल तकनीक में विशेष योगदान रहा। मंत्री अंजू चोरड़िया ने सभी का आभार ज्ञापन किया।

आचार्य महाश्रमण फिजियोथैरेपी सेन्टर के उद्घाटन

इंदौर

दिनांक 14- मार्च 2021 अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसर तेरापंथ महिला मंडल इंदौर द्वारा आचार्य महाश्रमण फ़िज़ियोथेरपी सेंटर का भव्य उदघाटन कर जन सेवा के लिये समर्पित किया गया।

कार्यक्रम शुभारंभ नमस्कार महामंत्र के उच्चारण से किया गया। मंडल की अध्यक्ष श्रीमती सरोज जी सुराना ने कार्यक्रम में पधारे विशेष अतिथि के रूप में देश के प्रसिद्ध Knee Replacement Surgeon, डॉक्टर धीरज मारोठी, सेंटर को चलाने में साथ देने वाली डॉक्टर प्रियंका सक्सेना, तेरापंथ सभा के अध्यक्ष श्री भूरामलजी श्यामसुखा, कार्यवाहक अध्यक्ष श्री विजयसिंह जी सुराना, मंत्री गौतमजी संचेती एवं सभा के अन्य गणमान्य व्यक्ति, तेरापंथ युवक परिषद के अध्यक्ष श्री प्रकाशजी बैद, मंत्री विकासजी घोड़ावत एवं मंडल की सभी बहनों का स्वागत व अभिनंदन किया। साथ ही आभार ज्ञापित किया। पूर्व अध्यक्ष श्रीमती पूर्णिमा जी कोठारी का, जिनका सेंटर खोलने में विशेष योगदान रहा। सभा के मंत्री एवं TYP के अध्यक्ष ने शुभकामना प्रेषित कर बहनों का उत्साह वर्धन किया। डॉक्टर प्रियंका सक्सेना, जिन्हें इस क्षेत्र में 10 वर्षों का अनुभव है, ने इस सेंटर में श्रेष्ठतम सेवाएँ देने एवं ज़रूरतमंदो का निःशुल्क इलाज करने का आश्वासन दिया। श्रीमती पूर्णिमा जी कोठारी द्वारा मंगलपाठ के उच्चारण के पश्चात सभी बहनों एवं समस्त पदाधिकारियों के हाथों सेन्टर का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम का संचालन एवं सभी समाजजनों का आभार मंत्री श्रद्धा बैद द्वारा किया गया

बैंगलुरु

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में तेरापंथ महिला मंडल बेंगलुरु गांधीनगर ने 27 फरवरी को आडगुड़ी क्षेत्र में आचार्य महाश्रमण फिजियोथैरेपी सेंटर का उद्घाटन किया इसका पहला सत्र चरित्र आत्माओं के सानिध्य में यशवंतपुर में तेरापंथ मेवाड़ भवन में साध्वी श्री कंचन प्रभाजी, लावण्यश्रीजी, अणिमाश्रीजी आदि चरित्रत्माओ के सानिध्य में बैनर का अनावरण हुआ। साध्विश्रीजी ने कहा की यह एक सुंदर उपक्रम है और कहा की बेंगलुरु गांधीनगर महिला मंडल अच्छा कार्य कर रही है। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की राष्ट्रीय अध्यक्ष सम्माननीय श्रीमती पुष्पाजी बैद का शुभकामना संदेश ऑडियो द्वारा संप्रेषित किया और उन्होने बेंगलुरु गांधीनगर महिला मंडल के फिजियोथैरेपी सेंटर का समाज सेवा के इस महनीय उपक्रम की सराहना की। कार्यक्रम में मंडल की अध्यक्ष शांति सकलेचा ने स्वागत करते हुए कहा कि सत्यम, शिवम, सुंदरम एक कठिन तपस्या है, मगर इसकी पूर्ति तभी हो सकती है जब गुरु का आशीर्वाद साथ में हो

लक्ष्य के प्रति निष्ठा हो, कर्म में पुरुषार्थ हो। सभा अध्यक्ष सुरेश जी दक, ट्रस्ट के गौतम जी मुथा, गांधीनगर तेयुप के अध्यक्ष विनोद जी मुथा यशवंतपुर के मंत्री महावीर जी ओसवाल अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप जी कोठारी महामंत्री मनीष जी दफ्तरी निवर्तमान अध्यक्ष विमल जी कटारिया, कोषाध्यक्ष दिनेश पोकरणा महासभा से प्रकाश जी लोढ़ा ने शुभकामना प्रेषित की सायंकाल में फिजियोथेरिपी सेंटर का उद्घाटन जैन संस्कार विधि से किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रभारी ज्योति संचेती ने किया कार्यक्रम के मुख्य प्रायोजक उद्घाटन कर्ता श्रीमती शायर देवी हीरालाल जी मालू, मंगली देवी दूधोरिया एंड संस, कैलाश जी बोराणा ,दिनेश जी पोकरणा और राजेंद्र जी सुनीता जी गांधी, का पूर्ण सहयोग रहा। कार्यक्रम में अखिल भारतीय की परामर्शिका लता जी जैन का. सदस्या मधु कटारिया लक्ष्मी बोहरा, किरण गिलुंडिया एव कार्यकर्ताओं के साथ अनेक व्यक्ति उपस्थित रहे

पूर्वांचल कोलकाता

अभातेममं के निर्देशन में तेरापंथ महिला मंडल पूर्वांचल कोलकाता का 24 मार्च 2021 को गांधी सेवा संघ में आचार्य महाश्रमण फिजियोथैरेपी सेंटर का उद्घाटन जैन संस्कार विधि से हुआ, संस्कारक श्री सुरेंद्र जी सेठिया द्वारा। कार्यक्रम की शुरुआत अभातेममं की चीफ ट्रस्टी श्रीमती शांता जी पुगलिया ने नमस्कार महामंत्र से किया । प्रेरणा गीत शाखा की मंडल की बहनों और मंगलाचरण कन्या मंडल की कन्याओं द्वारा प्रस्तुत किया गया।

सभी का स्वागत करते हुए पूर्वांचल महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती अंजू जी दुगड़ ने कहा गुरुदेव की कृपा और मंडल की कर्मठ मंत्री श्वेता डाकलिया, सदस्यों के अथक परिश्रम से यह काम हो पाया और उन्होंने सभी आगंतुकों का बड़े ही विनम्र भाव से स्वागत किया। मुख्य अतिथि पश्चिम बंगाल सरकार के माननीय मंत्री महोदय एवं विधान नगर के विधायक , श्रीमान सुजित जी बोस ने सेंटर का अवलोकन करते हुए अपने वक्तव्य में कहा यह समाज का काम है और समाज के काम में राजनीति को नहीं मिलाना चाहिए। मैं समाज के हर वर्ग के ऐसे कामों में सहयोग करने के लिए हमेशा तत्पर रहता हूं ।

गांधी सेवा संघ के अध्यक्ष श्रीमान हिरणमय साह ने अपने वक्तव्य में कहा हमारी संस्था में पहले से ही जो सुविधाएं हैं ,उसमें आज एक स्वर्णाक्षर के रूप में फिजियोथैरेपी सेंटर भी जुड़ गया है और आशा करता हूं कि इससे अनेक लोग लाभान्वित होंगे। राज्य प्रभारी एवं फिजियोथैरेपी सेंटर संयोजिका कल्पना जी बैद ने एक कहानी के माध्यम से पुण्य के सर्जन की महत्व पर जोर दिया और पूर्वांचल महिला मंडल को इस महत्वपूर्ण उपक्रम के लिए शुभकामनाएं दी।

पूर्वांचल महिला मंडल की कर्मठ अध्यक्ष ने सक्रियता दिखाते हुए जागृति अभियान के अंतर्गत तृप्ति एक बूंद कार्यक्रम का नियोजन भी फिजियोथैरेपी सेंटर के साथ किया । उन्होंने वहां पर एक वाटर फिल्टर लगवा कर इस योजना को अंजाम दिया और इस कार्यक्रम का आगाज अभातेममं ट्रस्टी श्रीमती सूरज जी बरड़िया ने बड़े ही कुशलता पूर्वक किया। इस फिजियोथैरेपी सेंटर की मशीनों के अनुदानदाता श्रीमती शायर देवी-श्री हीरालाल जी मालू ,बेंगलुरु - सुजानगढ़ हैं। मशीनों को फिजियोथैरेपी सेंटर तक पहुंचाने का कार्य श्रीमती विमला जी दूगड़ एवं श्रीमती कल्पना जी बैद के सहयोग से हुआ।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा जी बैद ,मंत्री श्रीमती तरुणा जी बोहरा शुभकामना संदेश का वीडियो प्रोजेक्टर पर दिखाया गया। अनुदानदाता श्री हीरालाल जी मालू का शुभकामना संदेश का वाचन एबीटीएमएम की प्रधान ट्रस्टी श्रीमती शांता जी पुगलिया ने किया। अभातेममं की संरक्षिका श्रीमती तारा जी सुराणा, ट्रस्टी श्रीमती सुरज जी बरड़िया, श्रीमती मधु जी दुगड़, राष्ट्रीय कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती रमण जी पटावरी, पूर्वांचल सभा के अध्यक्ष श्रीमान संजय जी सिंघी, साल्टलेक सभा के अध्यक्ष श्रीमान नगराज जी बरमेचा एवं पूर्वांचल तेयुप के अध्यक्ष श्रीमान आलोक जी बरमेचा ने शुभकामनाएं प्रेषित की।

कार्यक्रम का कुशल संचालन कार्यसमिति सदस्य श्रीमती जया बोथरा ने किया। फेसबुक लाइव करने में प्रचार प्रसार मंत्री अर्चना जी नाहटा का सहयोग रहा। इस कार्यक्रम की संयोजिका विनीता जी बरमेचा और रेनू जी बरमेचा का पूर्ण सहयोग रहा । कार्यक्रम में कोलकाता महानगर की सभी शाखा मंडलों की अध्यक्ष एवं मंत्री तथा मीडिया से जुड़ी सभी सदस्यों की उपस्थिति रही । सभी अतिथिगण का सम्मान किया गया। सभी बहनों के सहयोग से कार्यक्रम संपन्न हुआ।

आचार्य तुलसी सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र

विशाखापट्टनम

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य पर अखिल भारतीय तेरापंथ मंडल निर्देशानुसार 8 मार्च को सुबह 11 बजे तुलसी सिलाई प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ तेरापंथ भवन में किया, 3 सिलाई मशीन के साथ केंद्र की शुरुआत की गई! अध्यक्ष मधु मरोठी व मंडल की बहनो ने मंगलाचरण एवं प्रेरणा गीत का संगान किया एवं सिलाई सिखने आई दो बहनो को मशीन की समान्य जानकारी दे कर केन्द्र की शुरुआत की!

काठमाण्डू–नेपाल

दिनांक -22 मार्च 2021काठमांडू , नेपाल मेंअखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित समृद्ध राष्ट्र योजना के अंतर्गत आचार्य महाश्रमण फिजियोथेरेपी सेंटर एवं आचार्य तुलसी सिलाई प्रशिक्षण केंद्र का भव्य उद्घाटन तेरापंथ महिला मंडल काठमांडू के द्वारा बूढ़ा नीलकंठ नगरपालिका वडा 13 चुन्नी खेल हेल्थ पोस्ट पर किया गया। आचार्य तुलसी सिलाई प्रशिक्षण केंद्र के अंतर्गत 10 सिलाई मशीनें लगाई गई।

फिजियोथेरेपी सेंटर के उद्घाटन के साथ ही आज कैंप भी लगाया गया जिसमें 100 से भी ज्यादा संख्या में मरीजों के नाम आएं। प्रमुख अतिथि- पूर्व स्वास्थ्य मंत्री गगन थापा जी सर्वप्रथम प्रेरणा गीत के द्वारा कार्यक्रम की शुरुआत हुई तत्पश्चात अध्यक्ष श्रीमती प्रेमा नाहटा ने स्वागत वतव्य दिया।

माननीय लेखा समिति संयोजक श्री न्योछे नारायण जी श्रेष्ठ, नगर प्रमुख उद्धव प्रसाद जी खरेल, स्वास्थ्य शाखा व्यवस्थापन समिति के अध्यक्ष श्री कृष्ण जी श्रेष्ठ, बूढ़ा नीलकंठ स्वास्थ्य शाखा प्रमुख कुमार प्रसाद जी दाहाल, राष्ट्रीय मारवाड़ी परिषद के अध्यक्ष श्रीमान पवन जी मित्तल, मारवाड़ी सेवा समिति के अध्यक्ष श्रीमान कैलाश जी गोयल, तेरापंथ युवक परिषद के अध्यक्ष श्रीमान प्रभात जी नाहटा, महावीर जैन निकेतन के पूर्व अध्यक्ष श्रीमान मोतीलाल जी दुगड़ अपनी अपनी तरफ से शुभकामनाएं प्रेषित की।

प्रमुख अतिथि पूर्व स्वास्थ्य मंत्री गगन जी थापा ने बहुत ही हर्षोल्लास एवं प्रसन्नता के साथ फिजियोथेरेपी सेंटर का उद्घाटन किया एवं संस्था के प्रति बहुत-बहुत शुभकामनाएं प्रेषित। आचार्य तुलसी प्रशिक्षण सिलाई केंद्र का उद्घाटन श्रीमान मोतीलाल जी सरोज देवी दुगड़ के द्वारा किया गया। फिजियोथैरेपी सेंटर के लिए आर्थिक सहयोग उदारमना समाज के अग्रज श्रीमती शायर देवी- हीरालाल मालू बेंगलुरु द्वारा किया गया।

कार्यक्रम का कुशल संचालन मंत्री संगीता लुनिया ने किया आभार ज्ञापन द्वितीय उपाध्यक्ष श्रीमती संगीता बोथरा ने किया। 80-85 सदस्यों की सराहनीय उपस्थिति के साथ कार्यक्रम सफल रहा।

नोएडा

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार तेरापंथ महिला मंडल, नोएडा ने दिनांक 20-3-2021 को अय्यप्पा मंदिर (नोएडा) के प्रांगण नवरत्न NGO के साथ मिलकर दूसरे आचार्य तुलसी सिलाई प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना करी। केंद्र में प्रशिक्षण कार्य को सुचारू रूप से चलाने के लिए एक प्रशिक्षिका भी नियुक्त की गई है। इसकी स्थापना का उद्देश्य वंचित महिलाओं को स्वावलंबी बनाना है जिससे कि वे अपने परिवार के भरण पोषण में सहायक बन सकें। केंद्र का उद्घाटन पूर्व collector श्री NP Singh जी ने किया। कार्यक्रम में अध्यक्ष श्रीमती अर्चनाजी भंडारी, उपाध्यक्ष श्रीमती सुमनजी बोथरा मंत्री श्रीमती प्रीति तातेड़, प्रचार प्रसार मंत्री श्रीमती आरती कोचर, पूर्वाध्यक्ष श्रीमती संतोषजी बैद सहित कई बहनें उपस्थित रहीं। श्रीमती संतोषजी बैद, श्रीमती नीता जी जैन, श्रीमती लीला जी बोथरा, श्रीमती कुसुम जी बैद ने केंद्र की स्थापना में अनुदान दिया। सभी को साधुवाद।

Go Clean !!!
... Instalation of Incinerators

श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल गांधीनगर के तत्वावधान में दिनांक 22 मार्च को जिगनी में नित्यानंद हायर सेकेंडरी स्कूल में adgudi में कर्नाटका पब्लिक स्कूल, मैजेस्टिक स्थित विनायका हायर स्कूल में तेरापंथ महिला मंडल द्वारा स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत 3 इंसीनरेटर मशीन भेंट की गई

सर्वप्रथम मंडल की अध्यक्ष श्रीमती शांति सकलेचा ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि abtmm ने समृद्ध राष्ट्रीय योजना के अंतर्गत clean प्लेट कैंपेन का अभियान चलाया है चाहे आप पार्टी में जाओ, शादियों में जाओ या फिर लंच बॉक्स में हो कभी भी खाने को झूठा नहीं छोड़ना चाहिए। कन्या सुरक्षा के बारे में बताया कि आज कन्याओं को पढ़ाना चाहिए उन्हें हर दिशा में आगे बढ़ाना चाहिए। एक बूंद के अंतर्गत उन्होंने बताया कि पानी का वेस्टीज नहीं होना चाहिए। उपाध्यक्ष श्रीमती लक्ष्मी बोहरा ने बताया कि यह जो अभियान छेड़ा गया है अगर हर एक बच्चा अपनाएगा स्वयं का विकास करेगा और देश का विकास हो सकता है ।

कोषाध्यक्ष श्रीमती किरण गिलुंडिया ने सभी का आभार व्यक्त किया और कविता ने जो इंसीनरेटर मशीन की डीलर है उसने भी बच्चों को प्रशिक्षण दिया कि किस प्रकार इसका उपयोग करना चाहिए, किस प्रकार स्वच्छता को अपनाना चाहिए। काफी बच्चों ने इसे जागरूकता से सुना और इस पर अमल करने का आश्वासन लिया। स्कूल के प्रिंसिपल टीचर सभी ने इसकी भूरी भूरी प्रशंसा की कि तेरापंथ महिला मंडल ने कितने कितने काम स्वच्छता के प्रति किए हैं।

सहमंत्री ज्योति संचेती, प्रचार प्रसार मंत्री विजेता रायसोनी, एरिया संयोजिका ममता शाह की उपस्थिति रही। जिगनी के सभी बहनों का खूब-खूब सहयोग रहा।

सरकारी स्कूल में लगवाया वॉटर प्यूरीफायर

तेरापंथ महिला मंडल गांधीनगर के तत्वावधान में स्वच्छ भारत एवं जागृति अभियान के तहत कालमबेल्ला हायर सेकेण्डरी स्कूल में वॉटर प्यूरीफायर लगवाया गया। मंडल की अध्यक्ष श्रीमती शांती सकलेचा ने सभी का स्वागत करते हुए जल के महत्व को बताया। उन्होंने स्कूल के बच्चों को प्रशिक्षण दिया तथा पानी के संरक्षण करने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर उपस्थित शिक्षा विभाग के कमिश्नर शंकरप्पा ने कहा कि महिलाएं जल संरक्षण व स्वच्छता के संबंध में बहुत ही उल्लेखनीय कार्य कर रही है। हाईस्कूल के प्रिंसीपल रघुनाथ ने स्कूल में पढ़ रही छात्राओं की स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए मंडल से सेनेटरी नेपकीन डिस्पोजल मशीन भेंट करने का निवेदन किया जिसे मंडल की सदस्याओं ने तुंरत पूरा करते हुए स्कूल को एक मशीन उपलब्ध करवाई। इस मौके पर मंडल की उपाध्यक्ष लक्ष्मी बोहरा, कोषाध्यक्ष किरण गिलुंडिया ने अपने विचार रखे। स्कूल के प्रिंसीपल अनिल कुमार ने महिला मंडल के कार्यो के लिए धन्यवाद दिया।

श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल गांधीनगर के तत्वावधान में दिनांक 22मार्च को जिगनी में नित्यानंद हायर सेकेंडरी स्कूल में adgudi में कर्नाटका पब्लिक स्कूल, मैजेस्टिक स्थित विनायका हायर स्कूल में तेरापंथ महिला मंडल द्वारा स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत 3 इंसीनरेटर मशीन भेंट की गई।

वर्चुअल तीसरी तत्व मंथन कार्यशाला

1 मार्च 21 को अ.भा.ते.म.मं.के निर्देशन में वर्चुअल तत्व मंथन कार्यशाला का आयोजन हुआ। सर्वप्रथम राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद ने संरक्षिका तारा जी सुराणा सहित सभी का स्वागत किया। तत्पश्चात श्राविका गौरव जैन स्कॉलर निर्देशिका बहुमुखी प्रतिभा की धनी जैन दर्शन ज्ञाता, आगम व्याख्याता तथा प्रसिद्ध चित्रकार श्रीमती मंजू जी नाहटा ने नरक विषय पर सारगर्भित जानकारी दी ।

उन्होंने बताया कि हम रत्नप्रभा नरक की छत पर बैठे हैं पापों के कारण प्राणी नरक जाते हैं। वहां पर उन्हें प्रताड़ित कर शिक्षा दी जाती है, नर्क के प्राणियों को काटा जाता है क्योंकि हम भी तो अपने जीवन में जीवन यापन के लिए आवश्यक ही सही पर हिंसा तो करते हैं। न + अरक यानी जहां प्रकाश न पहुंच सके। उन्होंने सात नरक के नाम को निरर्थक तथा गोत्र को सार्थक बताते हुए विवेचन किया तथा नरक आयुष्य बांधने के कारण बताएं जैसे महाआरंभ, महापरिग्रह, पंचइंद्रिय वध, मांसाहार तथा महापाप आदि।

मंजू जी ने इतने सरल और सहज तरीके से विवेचन किया कि सभी को सरलता से समझ आ रहा था। उन्होंने बताया थोड़े से संयम से हम अपना नरक टाल सकते हैं। नारकीयों के जीवन, शरीर के सहनन, संस्थान के बारे में रोंगटे खड़े कर देने वाला दुख पूर्ण वर्णन बताया नारकीय के भी सात निर्जरा होती है उनके ज्ञान-अज्ञान,अवगाहना, विकुवर्णा, अंतराल काल, आयुस्थिति, लेश्या और अधोलोक आदि के बारे में PPT के माध्यम से विस्तार से बताया। श्रीमती मंजू जी ने आज की कार्यशाला का लक्ष्य बताया कि हम अपने आप को श्रावक तथा धार्मिक ही मानते हैं पर श्रावकत्व में भी हमसे अनजाने में बहुत पाप होते हैं और उनका फल भोगने के लिए नरक जाना ही पड़ता है अतः हमें जाने-अनजाने किए गए पापों की आलोचना प्रतिक्रमण के माध्यम से अवश्य करनी चाहिए । कार्य वाला के अन्त में मंजूजी ने जिज्ञासुओं के प्रश्नों के बड़े ही सरल तरीके से उत्तर दिए। अंत में महामंत्री श्रीमती तरुणा जी बोहरा ने पूरी नारी शक्ति की ओर से श्रीमती मंजू जी का आभार ज्ञापन करते हुए कहा कि-

ज्ञान वर्धन करो ऐसा कि पहचान बन जाए
हर कदम चलो ऐसा कि निशान बन जाए
तत्वमंथन कार्यशाला में मंजूजी से सुनकर
हर कदम चलो ऐसा कि नरक टल जाए

मार्च माह के उत्तर

(अ) अंको में उत्तर -

1. 3	2. 21	3. 4	4. 4
5. 197	6. 17	7. 10	8. 35
9. 20000	10. 20		

(ब) सही उत्तर -

1. राजसमंद	2. कानपुर	3. ब्रिटेन	4. बरनाला
5. लखनऊ	6. कलकत्ता	7. केलवा	8. सम्मेद शिखर
9. हिमालय	10. मुंबई		

दिसम्बर माह के भाग्यशाली विजेता

इस माह कुल 1549 प्रविष्टियां प्राप्त हुई।

1. श्रीमती अर्पिता सेठिया - जलगांव
2. श्रीमती सुषमा भादानी - हनुमानगढ़
3. सुश्री जीनल बडाला - ठाणे (मुंबई)
4. श्रीमती सरला दस्सानी - सीलीगुड़ी
5. श्रीमती मधु नाहटा - बंगई गांव
6. श्रीमती निर्मला गर्ग - टोहाना
7. श्रीमती किरण कोठारी - केलवा
8. श्रीमती सायर देवी दुगड़ - बेहाला (कलकत्ता)
9. श्रीमती खुशबु नाहटा - सूरत
10. श्रीमती रजनी बाफना - दिल्ली

ज्ञान चेतना प्रश्नोत्तरी
अप्रैल 2021

संदर्भ पुस्तक - चैतन्य रश्मि कनकप्रभा (पृष्ठ संख्या 58 से 89)

(अ) मुझे पहचानो -

1. मैं भी प्रतिबिम्ब तभी ग्रहण करता हूँ जब मैं स्थिर होता हूँ।
2. नई साध्वियों ने मुझे कराने के लिए विशेष अनुरोध करना शुरु कर दिया।
3. हमारी ओर से भी अभिनन्दन पत्र तैयार हुआ।
4. मेरी पारदर्शी दृष्टि से क्या कोई छुपा रह सकता है?
5. मेरे आक्रमण से साध्वी कनकप्रभाजी के ललाट के बीचोंबीच गहरा गड्ढ़ा हो गया।
6. मैं ज्ञान का सार हूँ।
7. सुजानगढ़ प्रवास काल में आचार्यश्री ने मेरे यहां एकान्तवास किया।
8. वे व्यक्ति धन्य है जो जीवनभर मेरे मैं रहते हैं।
9. मैं एक अंग्रेजी शब्द हूँ जिसका अर्थ है - विस्तार से पढ़ो।
10. मैं एकादशी को लिखा गया और मनोनयन त्रयोदशी को हुआ।

(ब) रिक्त स्थान की पूर्ति करें -

1. वह उस समय साध्वी समाज के लिए ..... काल था।
2. फिर संस्कृत प्राकृत संयुक्त रूप से ..... नाम की पत्रिका निकाली।
3. ..... चातुर्मास संपन्न कर गुरुदेव धर्म परिवार के साथ सुजानगढ़ पधारे।
4. सबने कहा ..... खुल गया।
5. उसके ..... में छिपी विकास की संभावनाओं को गुरु ही परख सकते हैं।
6. ..... व्यवस्था प्रवर्तन के पश्चात् गुरुदेव श्रीडूंगरगढ़ पधार रह हैं।
7. वे अव्यग्रमना अपनी ..... चर्चा में लीन रही।
8. उधर साध्वियों का स्थान भी ..... था।
9. हमारी संघीय प्रगति के केन्द्र में ..... होते हैं।
10. उन्होंने अपनी दुविधा गुरु चरणों में ..... की।

नोट :
- प्रश्नों के उत्तर Google Form के द्वारा भेजने रहेंगे। अंतिम तिथि 25 अप्रैल 2021 है।
- Google Form की Link आपको Team Group में प्रेषित कर दी जायेगी।
- सभी शाखा के अध्यक्ष/मंत्री से अनुरोध है कि Link अपनी शाखा के सदस्यों तक पहुँचाये।
- प्रश्नोतरी में संभागी बहिनों से अनुरोध है कि Link के लिए अपने अध्यक्ष/मंत्री से सम्पर्क करें।
- अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें -

श्रीमती मधु देरासरिया, सूरत
मो. : 9427133069 E-mail : madhujain312@gmail.com

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल को मिलने वाला अनुदान

2,00,000	श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल गुवाहाटी द्वारा भावना चौका में सप्रेम भेंट।
1,00,000	गुप्त अनुदान।
1,00,000	श्रीमती माणक देवी मंजू - दिलीप बैद द्वारा अपनी सुपुत्री अनुवा - यश की शादी के उपलक्ष में सप्रेम भेंट।
1,00,000	श्रीमती संतोष - सुरेन्द्रजी, रीना - राहुल चौरड़िया निवासी चाड़वास प्रवासी कोलकता के सुपुत्री जन्मोत्सव के उपलक्ष में सप्रेम भेंट।
51,000	श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल गुलाबबाग द्वारा भावना चौका में सप्रेम भेंट।
51,000	श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल शिलोंग द्वारा भावना चौका में सप्रेम भेंट।
51,000	श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल सिलचर द्वारा भावना चौका में सप्रेम भेंट।
51,000	पूर्वांचल कोलकाता द्वारा फिजियोथैरेपी सेंटर के उद्घाटन के उपलक्ष में सप्रेम भेंट।
31,000	श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल अररिया कोर्ट द्वारा भावना चौका में सप्रेम भेंट।
31,000	श्रीमती चंदा देवी नाहटा, निवासी सरदारशहर प्रवासी बैंगलुरु द्वारा सप्रेम भेंट।
31,000	श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल विशाखापट्टनम द्वारा भावना चौका में सप्रेम भेंट।
21,000	श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल कटिहार द्वारा भावना चौका में सप्रेम भेंट।
21,000	श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल गौरीपुर द्वारा भावना चौका में सप्रेम भेंट।
21,000	श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल नौगांव द्वारा भावना चौका में सप्रेम भेंट।
21,000	श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल उदयपुर द्वारा भावना चौका में सप्रेम भेंट।
13,000	श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल ढेकियाजूली द्वारा भावना चौका में सप्रेम भेंट।
11,000	श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल भागलपुर कोर्ट द्वारा भावना चौका में सप्रेम भेंट।
11,000	श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल किशनई द्वारा भावना चौका में सप्रेम भेंट।
11,000	श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल गोलपारा द्वारा भावना चौका में सप्रेम भेंट।
11,000	श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल जोरहाट द्वारा भावना चौका में सप्रेम भेंट।
11,000	श्रीमती सुशीला - राजेश जी चौपड़ा के पौत्र जन्म के उपलक्ष में सप्रेम भेंट।
11,000	श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल गंगावती द्वारा भावना चौका में सप्रेम भेंट।
11,000	श्रीमान् राजेश जी के 53 वें जन्मदिवस के उपलक्ष में श्रीमान उदय सिंह, राजेश-कुसुम जी तातेड़ द्वारा सप्रेम भेंट।
11,000	स्व. सौसर देवी धर्मपत्नी श्रद्धानिष्ठ श्रावक, सांताक्रुज रत्न तखतमल जी कोठारी सांताक्रुज रिछेड़ के जन्म दिवस के उपलक्ष में सप्रेम भेंट।
11,000	श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल विलासीपारा - आसाम द्वारा भावना चौका में सप्रेम भेंट।
5,100	श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल चास बोकारो द्वारा भावना चौका में सप्रेम भेंट।
5,100	श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल सिंधनूर द्वारा भावना चौका में सप्रेम भेंट।
5,100	श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल खारूपेटिया द्वारा भावना चौका में सप्रेम भेंट।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा सभी अनुदानदाताओं के प्रति हार्दिक आभार !

अध्यक्षीय कार्यालय : श्रीमती पुष्पा बैद - ''पावन'' बी-106/107, विद्युत नगर-बी, क्वीन्स रोड़, जयपुर - 302021
मो. : 9314194215, 8209004923 ईमेल pushpabaid312@gmail.com

महामंत्री कार्यालय : CA तरूणा बोहरा - 301, साधना पैलेस, मराठा कॉलोनी, दहिसर (पूर्व) मुम्बई - 400068
मो. : 8976601717 ईमेल tarunajain365@gmail.com

कोषाध्यक्ष कार्यालय : श्रीमती रंजु लुणिया - लुणिया मार्केटिंग प्रा. लिमिटेड, बड़ा बाजार, छेरा बस स्टॉप के पास, शिलोंग-793001 (मेघालय) मो: 94361033330, 8787645164 ईमेल Implshillong@gmail.com

नारीलोक संपादन सहयोगी : श्रीमती गुलाब बोथरा मो : 9462342976

नारीलोक देखें website : www.abtmm.org